मीरास देने की गारन्टी

(1:11-14)

आपको बचपन की कोई रोमांचित और उज़ेजित करने वाली बात, जिससे आपकी नींद उड़ गई हो, याद होगी।

फिनियास उस रात सो नहीं पाया था। वह सूर्य उदय होने से पहले ही उठ गया था। अपना बैग पैक करके वह दिन के कामकाज के लिए तैयार होकर सीढ़ियों से नीचे उतर आया। यह बात सन 1820 की है। फिनियास ने एक टापू देखना था जो उसका अपना था।

फिनियास को अपने दादा से उपहार में एक टापू मिला था। फिनियास के नाम कनेज़्टिकट में एक टापू की वसीयत थी, जिसे आइवी टापू कहा जाता है। बचपन में वह अपने माता-पिता से इस टापू के बारे में सुना करता था। मज़ाक में वे फिनियास से बिनती करते कि धनवान हो जाने पर कहीं हमें भूल तो नहीं जाएगा। फिनियास अपने टापू के स्वप्न लेते और उस दिन का पूर्वानुमान लगाते हुए बड़ा हुआ था कि वह उसे कब देखेगा। उसकी अपनी सज़्पज़ि होगी, एक अच्छा सा घर बनाएगा, एक फार्म हाउस बनाएगा और पशु रखेगा।

यदि आपका कोई टापू हो, तो ज़्या आप उसे देखना नहीं चाहेंगे ? आप अवश्य देखना चाहेंगे, और फिनियास भी अपने माता-पिता से उस टापू को देखने के लिए ले जाने का आग्रह करता है। आखिर उसका पिता मान गया। 1820 की गर्मियों में, बाप-बेटा उस टापू को देखने के लिए निकल पड़े।

मार्ग में फिनियास पूछता रहा, ''पापा और कितना आगे है ? ज़्या हम सामने वाली पहाड़ी की चोटी से इसे देख पाएंगे ?'' उसका पिता यही कहता रहा कि जल्दी ही वह टापू दिखाई देने लगेगा।

अन्त में, उसके पिता ने पेड़ों से भरे एक इलाके की ओर इशारा करते हुए कहा, ''वो रहा उन पेड़ों के पीछे।'' फिनियास गाड़ी से बाहर उछला और भागकर पेड़ों के पास चला गया। बिना हिचकिचाए वह उन पेड़ों में से अपने टापू को देखने के लिए दौड़ने लगा। उसने अपना आइवी टापू देख लिया।

जो कुछ फिनियास ने देखा, उससे वह दंग रह गया। उसका आइवी टापू सांपों से भरा पांच एकड़ से अधिक का क्षेत्र नहीं था। वर्षों से उसे बताया जा रहा था कि उसका टापू पूरे कनेज़्टिकट में सबसे सुन्दर है, परन्तु यह तो कुछ भी नहीं था। उसे लगा जैसे उसके साथ मज़ाक हुआ हो, एक क्रूर मज़ाक। फिनियास ने पीछे मुड़कर अपने पिता की ओर देखा, जो ज़ोर-ज़ोर से हंस रहा था।

लेकिन फिनियास को हंसी नहीं आ रही थी। उसने यह बात कभी नहीं भूली। उसे यह बहुत बड़ी हानि लगी। उसे लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है जिसके सदमे से कभी नहीं उभर पाया। वास्तव में फिनियास का पालन-पोषण लोगों को धोखा देने के कारोबार के लिए हुआ था।

आप फिनियास को पी.टी. के नाम से अर्थात एक भू-स्वामी के रूप में नहीं बल्कि एक प्रोमोटर के रूप में जानते होंगे। उसने एक प्रसिद्ध बात कही, ''हर मिनट में एक दूध पीने वाला पैदा होता है,'' और इस कथन को सत्य सिद्ध करते हुए उसने अपना जीवन बिताया। फिनियास बार्नम एण्ड बेली सर्कस का प्रसिद्ध व्यक्ति पी.टी. बार्नम बन गया।[1]

आपको ज़्या लगता है कि एक युवक जो विरासत या मीरास पाने का स्वप्न देखता था, यह पता चलने पर कि उसकी कोई विरासत ही नहीं है, भावुक हुआ होगा? आप में से कुछ लोग बता सकते हैं कि उसे कैसा लगा होगा ज़्योंकि आपका भी उसकी तरह ही नुकसान हुआ होगा। हो सकता है कि आपको किसी ने टापू देने की प्रतिज्ञा न की हो, परन्तु आपने किसी और बात की प्रतीक्षा की होगी। आप किसी ऐसी बात की प्रतीक्षा करते रहे हो सकते हैं जो नहीं हुई।

हो सकता है कि किसी ने आप से शादी करने का वायदा किया था और उसने वह वायदा तोड़कर आपका दिल तोड़ दिया। हो सकता है कि आपने किसी कंपनी के लिए अपने जीवन के सर्वोज़म वर्ष दे दिए हों। आपको यकीन था कि वे आपको नौकरी से नहीं निकालेंगे। आपको लगता था कि आपकी रिटायरमैंट वहीं से होगी, परन्तु आपकी नौकरी छूट गई या आपके रिटायर होने से पहले ही वह कंपनी दिवालिया हो गई।

हम टूटे हुए वायदों और बिखरे सपनों की दुनिया में रहते हैं। यह एक ऐसी दुनिया है जहां भविष्य हमेशा वैसा नहीं होता जैसा हमने सोचा होता है। यह संसार हमें ऐसे ''टापू'' देने की प्रतिज्ञा करता है जो हमें निराश कर देते हैं।

लेकिन परमेश्वर ऐसी प्रतिज्ञाएं नहीं करता। परमेश्वर कभी ऐसी प्रतिज्ञा नहीं करता, जिसे वह पूरी न कर सकता हो। उसकी प्रतिज्ञाएं कभी निष्फल नहीं होतीं। इब्रानियों 10:23 परमेश्वर के विषय में कहता है: ''जिसने प्रतिज्ञा की है, वह सच्चा है।'' कहने का अर्थ यह कि हम परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा कर सकते हैं। परमेश्वर केवल वफ़ादार ही नहीं है, बल्कि हम इस तथ्य पर भी यकीन कर सकते हैं कि वह अपनी हर प्रतिज्ञा को पूरा करने में सक्षम है (रोमियों 4:21)।

1:3-14 में हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने मसीह में हमें हर प्रकार की आत्मिक आशीष से आशीषित किया है। आपके लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञा यही है और इस प्रतिज्ञा का अधिकांश भाग पहले ही पूरा किया जा चुका है।

उसने हमें अपने चुने हुए लोगों (1:4) और अपनी संतान के रूप में गोद लिया है (1:5)। उसने हमें यीशु के लहू के द्वारा छुड़ाया है (1:7) और पापों की क्षमा दी है (1:7)। उसने हमें अपने अनुग्रह का धन बहुतायत से दिया है (1:7, 8)। उसने हम पर अपनी इच्छा का भेद प्रकट किया है (1:9) और हम पर पवित्र आत्मा से मोहर लगाई है (1:13)।

परमेश्वर ने हमें आश्वासन दिया है कि मसीह में हमें अपनी मीरास अवश्य मिलेगी। हम से कोई धोखा नहीं होगा। पवित्र आत्मा ''परमेश्वर के मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिए हमारी मीरास का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो'' (1:14)।

परमेश्वर अपने लोगों को एक पक्की मीरास देने का आश्वासन देता है जो हमेशा के लिए परमेश्वर की स्तुति का कारण बने।

मसीह में होने से हमारी मीरास का आधार पता चलता है

ध्यान दें कि पौलुस ने मसीह में होने के महत्व पर ज़्या कहा था। यहूदी मसीहियों को ''उसी में'' (1:10, 11) चुना गया था। ''मसीह पर'' (1:12) आशा रखने वाले वे प्रारम्भिक लोग थे। अन्यजाति मसीहियों को मसीह में तब मिलाया गया था, जब उन्होंने सुसमाचार को सुनकर विश्वास किया था (1:13)। उन पर ''प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की'' जो ''हमारी मीरास का बयाना है'' (1:13ख,14क) छाप भी लगी थी।

1:11-14 में, पौलुस ने मसीह में होने पर ज़ोर दिया। वास्तव में, 1:3-14 के निकट के संदर्भ में ''मसीह में''[2] किसी न किसी रूप में नौ बार आता है। मसीह में होना ही अपने आप में बहुत कुछ है। यह हमारी मीरास का आधार है।

यदि हम रुककर एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर विचार करें तो अच्छा होगा कि किसी को मसीह में आकर मीरास की प्रतिज्ञा कैसे मिलती है?

1:3-14 के पास अपनी बाइबल के खाली स्थान में आप इस पद को जोड़ सकते हैं:

> ज़्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का [अर्थात में] बपतिस्मा लिया, तो उसकी मृत्यु का [अर्थात में] बपतिस्मा लिया? सो उस मृत्यु का [अर्थात में] बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें (रोमियों 6:3, 4)।

बपतिस्मा लेने के समय हम कलवरी के पास जाते हैं। बपतिस्मे में हम क्रूस पर मसीह के साथ मिलकर उसकी मृत्यु में बपतिस्मा लेते हैं। जैसे मसीह ने क्रूस पर कहा था, ''पूरा हुआ है,'' बपतिस्मे में हमारा पिछला जीवन पूरा हो जाता है। बपतिस्मे में हम उसके साथ कब्र में मिलते हैं। बपतिस्मे में हम नये जीवन के लिए उसके साथ जी उठने में शामिल होते हैं।

हम मसीह में विश्वास करके बपतिस्मा लेते हैं। ''मसीह में'' हमारा आगमन ऐसे ही होता है। इसी प्रकार हम मीरास सहित हर प्रकार की आत्मिक आशीष पाने के लिए आते हैं।

मैं आपको दो सच्चाइयां याद करवाना चाहता हूं। पहली, मसीह के बाहर, अनन्तकाल तक मिलने वाली एकमात्र वस्तु दण्ड है। जब यीशु वापस आएगा तो वह ''जो परमेश्वर को नहीं पहचानते और हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को नहीं मानते उनसे पलटा लेगा। वे ... अनन्त विनाश का दण्ड पाएंगे'' (2 थिस्सलुनीकियों 1:8, 9)। दूसरी, मसीह में हर आत्मिक आशीष मिलती है, जिसमें मीरास के अलावा अनन्त जीवन भी है। मसीह में होना

हमें मिलने वाली मीरास का आधार है।

आत्मा पाना हमारी मीरास को दृढ़ करता है

''और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है और जिस पर तुम ने विश्वास किया, *प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी।* वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिए *हमारी मीरास का बयाना* है'' (1:13,14क)। यहां पवित्र आत्मा के बारे में ज़्या कहा गया है?

पहला, *एक मसीही व्यक्ति के जीवन में पवित्र आत्मा छाप है।* आप नोटरी की छाप या मोहर के बारे में तो जानते ही होंगे। नोटरी का काम करने वाला व्यक्ति किसी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करके साक्षी देता है और उसकी प्रमाणिकता को पज़्का करने के लिए उस दस्तावेज़ पर अपनी मोहर लगा देता है। जॉन मैकार्थर की टिप्पणी है:

> जिस छाप की बात यहां पर पौलुस करता है वह पहचान के सरकारी चिह्न की बात है जो किसी पत्र, अनुबंध या किसी अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज़ पर लगाई जाती थी। यह छाप सामान्यतया गर्म मोम से बनाई जाती थी जिसे दस्तावेज़ पर रखकर उस पर छाप वाली अंगूठी का चिह्न लगाया जाता था।[3]

प्राचीन जगत में छाप के निज़्नलिखित अर्थ होते थे:

1. *स्वामित्व।* छाप पशुओं या गुलामों पर चिह्न का काम करती थी। वह किसी पुस्तक पर मोहर की तरह होती थी, जिससे असली मालिक का पता चलता था। पवित्र आत्मा एक मसीही में यह संकेत देने के लिए आता है कि अब वह परमेश्वर की अपनी सज़्पज़ि है।

2. *सुरक्षा।* किसी वस्तु पर सरकारी मोहर से लोग चौकस हो जाते थे कि यह जिस व्यज़्ति की मोहर है, उसी की शज़्ति तथा अधिकार से सुरक्षित की गई है। यीशु की कब्र पर पिलातुस की मोहर लगाई गई थी (मज़ी 27:62-66)। वह मोहर लोगों को चेतावनी देने के लिए थी कि वे उस पत्थर को न हिलाएं। इस चेतावनी को पिलातुस के सरकारी अधिकार और शज़्ति का समर्थन प्राप्त था। शैतान और दुष्टता की सब शज़्तियों को चेतावनी देने के लिए कि इस व्यज़्ति की सुरक्षा परमेश्वर करता है, पवित्र-आत्मा मसीही व्यज़्ति के जीवन में कार्य करता है।

3. *प्रामाणिकता।* मोहर से किसी वस्तु की यथार्थता का पता चलता था। मसीही व्यज़्ति में पवित्र आत्मा इस बात की पुष्टि करता है कि वह सचमुच परमेश्वर की संतान अर्थात मीरास का वारिस है।

यदि आप मसीह में हैं, तो आप पर पवित्र आत्मा की छाप लगी है। यह कोई मामूली बात नहीं है। पवित्र आत्मा इस बात की पुष्टि करता है कि हम परमेश्वर की सज़्पज़ि हैं, परमेश्वर अपने सामर्थ से हमारी रक्षा करता है और हम सचमुच उसकी मीरास के वारिस हैं।

जन्म प्रमाण-पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज़ होते हैं, या नहीं? ड्राइविंग लाइसेंस लेने, विवाह का लाइसेंस लेने, कोई नौकरी लेने या किसी कॉलेज में दाखिला लेने के लिए प्रार्थना पत्र

देने के लिए हमें इनकी आवश्यकता पड़ती है। इस संसार के अंत में हम सब जब न्याय के समय परमेश्वर के सामने पेश होंगे, तो वह हमसे जन्म प्रमाण पत्र या परिचय का कोई और दस्तावेज़ नहीं मांगेगा। परमेश्वर हम पर उस मोहर को अर्थात पवित्र आत्मा की छाप को देखेगा। आत्मा वह विशेष मोहर है जो परमेश्वर की ओर से है जिसे परमेश्वर केवल उन्हीं को देता है जो मसीह में हैं।

दूसरा, *पवित्र आत्मा हमारी मीरास को पक्का करने के लिए एक बयाना है।* पौलुस के लेखों में पवित्र आत्मा को तीन बार बयाना (यू.: *arrabon*) कहा गया है। 1:14 में आत्मा को हमारी मीरास की गारन्टी देने वाले ''बयाने'' के रूप में वर्णित किया गया है। दूसरा कुरिन्थियों 1:22 में आने वाले की गारन्टी देते हुए बताया गया है कि किस प्रकार परमेश्वर ने ''बयाने में आत्मा को हमारे मनों में दिया,'' और 2 कुरिन्थियों 5:5 में पौलुस ने दोहराया कि परमेश्वर ने ''हमें बयाने में आत्मा भी दिया है।''

पौलुस ने जिस शब्द का इस्तेमाल किया था उस समय वह अमानत या बयाने के रूप में आमतौर पर इस्तेमाल किया जाता होगा। यह कुछ खरीदने के लिए क्रय मूल्य का कुछ भाग होता था। इससे यह सुनिश्चित होता था कि शेष अदायगी उचित समय पर कर दी जाएगी।

हमारी मीरास पवित्र आत्मा के लिए बयाना होने का सही अर्थ क्या है। परमेश्वर हमें आश्वस्त करना चाहता है कि हम उसकी संतान के लिए ठहराई गई पक्की मीरास को अवश्य पाएं। यह ''एक अविनाशी और निर्मल, और अजर मीरास'' है ''जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी है'' (1 पतरस 1:4, 5)।

परमेश्वर यह भी चाहता है कि हम देख लें कि जो कुछ अब मसीह में हमारे पास है वह आने वाले का केवल पूर्व-स्वाद ही है। उस आनन्द का ध्यान करें, जो आपको पापों की क्षमा पाने के समय मिला था। अन्य मसीहियों के साथ आराधना के उस अद्भुत अनुभव का समय याद करें। उस प्रेम, आनन्द, शांति और आत्मा के फल का ध्यान करें जो अब तक आपके जीवन में मिला है। उन सब बातों का भी ध्यान करें जो उसकी संतान बनने के समय से परमेश्वर ने आपके जीवन में की हैं। ध्यान दें और उसे बार-बार गुणा करें। आप फिर भी इस बात की पूरी तरह कल्पना नहीं कर पाएंगे कि परमेश्वर ने आपके लिए क्या रखा है।

परमेश्वर आपके साथ ऐसा नहीं करेगा जैसा फिनियास के साथ उसके टापू के सम्बन्ध में हुआ था। आपके लिए जीवन एक गंदा मज़ाक या बहुत बड़ी निराशा नहीं होगी। जो कुछ अब मसीह में हमें मिला है, वह केवल बयाना है। वह उस मीरास की, जिसकी परमेश्वर ने हमारे साथ प्रतिज्ञा की है, केवल एक झलक है।

परमेश्वर की स्तुति करने से हमारी मीरास के लक्ष्य का पता चलता है

पवित्र आत्मा ''उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिए हमारी मीरास का बयाना है कि *उसकी महिमा की स्तुति हो''* (1:14)। 1:3-14 में पौलुस के शब्दों में परमेश्वर की

स्तुति है। ''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो'' (आयत 3)। आयत 6 में परमेश्वर के महिमामय अनुग्रह के लिए उसकी स्तुति है। आयत 12 में ''उसकी महिमा की स्तुति'' मिलती है। आयत 14 छुटकारे का लक्ष्य, उद्धार का लक्ष्य, मसीह में परमेश्वर का उन्हें अपनी सज़्पज़ि बनाने का लक्ष्य, और उन्हें दी गई पूरी मीरास का लक्ष्य ''उसकी महिमा की स्तुति'' है।

आरज़्भ में परमेश्वर ने कहा था, ''हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं'' (उत्पज़ि 1:26)। परमेश्वर ऐसे लोग बनाना चाहता था, जो अपने जीवनों से उसकी महिमा, उसके स्वभाव तथा उसके स्वरूप को दिखाएं। वह ऐसे लोगों को चाहता था जो उसकी स्तुति करें, उसकी सेवा करें और उसकी तरह बनने का प्रयास करें।

परन्तु पाप ने आकर मनुष्य में परमेश्वर के स्वरूप को नष्ट कर दिया। बाइबल की सज़्पूर्ण कहानी और परमेश्वर की योजना हमें अपने पास वापस लाने की मूल इच्छा ही है। वह हमें छुड़ाकर इस कार्य को, हमारा उद्धार करके और मसीह में हमें नये सिरे से बनाकर करता है।

हमारी मीरास *वही है जिसके लिए हमें बनाया गया था–परमेश्वर का स्वरूप बनना।* एक दिन यह हो जाएगा। ''हे प्रियो, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ कि हम ज़्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, ज़्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है'' (1 यूहन्ना 3:2)। परमेश्वर के स्वरूप पर हो जाने पर हम स्तुति करते हुए पुकारेंगे! परमेश्वर की स्तुति करने से हमारी मीरास के लक्ष्य का पता चलता है।

सारांश

ज़्या आपका कोई सपना टूटा है? ज़्या किसी ने आपका दिल तोड़ा है? ज़्या आपका कुछ ऐसा खो गया है जिसे आप पाना चाहते थे?

भविष्य के लिए आशा न छोड़ें। ऐसा लग सकता है जैसे कोई वफ़ादार, भरोसे के योग्य या विश्वास के योग्य न हो; लेकिन परमेश्वर है। उसे आपको याद दिलाने दें कि वह वफ़ादार है। सर्वशज़्तिमान परमेश्वर मसीह में एक पज़्की, अविनाशी मीरास की गारन्टी देता है। यह मीरास इतनी शानदार है कि जब आपको अन्त में मिल जाएगी तो आप परमेश्वर की स्तुति करना और सदा के लिए उसे धन्यवाद देना चाहेंगे!

टिप्पणियां

[1]मैज़्स लुकेडो, *ही स्टिल मूव्ज़ स्टोन्ज़* (डैलस, वर्ड पज़्लिशिंग, 1993), 84–85. [2]देखें ऍडी ज़्लोर, परिशिष्ट 3: '''मसीह में' वाज़्यांश,'' *''कलीसिया'' के लिए परमेश्वर का नमूना।* [3]जॉन मैकार्थर, जूनी., *इफिसियंस द मैकार्थर न्यू टैस्टामेंट कमैन्ट्री* (शिकागो, इलिनोइस: मूडी प्रैस, 1986), 34.